राष्ट्र महिला

संपादकीय ....

राष्ट्रीय महिला आयोग हेल्पलाइन देशभर में महिलाओं की सहायता के लिए कार्यरत है। अगस्त माह 2021 में 4200 से अधिक कॉल मिली और कॉल करने वाले सभी व्यक्तियों की सहायता की गई। देश में राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु और आसाम आदि तक की महिलाओं ने कॉल कर सहायता की मांग की। पुलिस प्राधिकारियों से संपर्क किया गया और उन्हें सहायता दी गई। एक फिलिपीनो महिला भी सहायता के लिए आई जिसने भारतीय पुरुष से विवाह किया था। कोविड की लहर की चपेट में वह विधवा हो गई थी और वापस अपने देश फिलिपिन्स जाना चाहती थी। लेकिन ससुराल-पक्ष के सदस्यों ने उसे वापिस जाने से मना किया और दबाव डाला कि वह अपने देवर से विवाह करे। पुलिस ने उसका बचाव किया और उसकी तथा उसके तीन बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की। अन्य मामलों में भी इसी प्रकार सहायता दी गई।

माननीय अध्यक्षा रेखा शर्मा जी ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के मंत्रियों के लिए केवडिया, गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने रा.म.आ. द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया जिसकी अत्यधिक सराहना की गई।

रा.म.आ. महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से कार्य करता रहता है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) बेंगलूर के साथ मिलकर भावी उद्यमी महिलाओं के द्वितीय बैच के लिए *उद्यमिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण* कार्यक्रम 16 जुलाई से शुरु हुआ और 31 अगस्त को प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया गया। इस बैच में 929 उद्यमी महिलाएं थीं जिनमें से 355 महिलाओं ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया। “डू योर वेंचर” नामक कार्यक्रम डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसका संचालन भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) बेंगलूर के संकाय-सदस्यों की सहायता एवं सतत निगरानी के साथ मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOC) के रूप में किया गया।

प्रशिक्षुओं को बेहतर व्यावहारिक शक्तियाँ प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की सहभागिता लघु,मध्यम एवं सूक्ष्म-उद्यमों की एसोसिएशन ‘इंडिया एसएमई फोरम’ के साथ रही। यह सहभागिता चयनित उद्यमी महिलाओं को व्यक्तिगत मशविरा/सलाह द्वारा सहायता प्रदान करने के लिए है। इस प्रयास में, सफल उद्यमी अपने अनुभव इच्छुक उद्यमियों के साथ साझा कर उनकी सहायता करते हैं ताकि वे अपनी योजनाओं को पक्का करें और अपनी सोच-विचार के अनुरूप काम कर सकें। मशविरा/सलाह कार्यक्रम के पहले बैच का शुभारंभ 24 अगस्त 2021 को किया गया।

हम महिलाओं के प्रति हो रही हिंसा के प्रति उन्हें जागरूक करना चाहते हैं ताकि देशभर में महिलाओं को पूर्ण विश्वास हो कि उनकी सुरक्षा और स्वाभिमान के लिए कानून भी उनके साथ है। MyGov पोर्टल के माध्यम से इस विषय पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई।

हमें विश्वास है कि जहाँ महिलाएं अपनी सम्पूर्ण क्षमता का अनुभव कर सकें ऐसे समावेशी समाज के लिए लैंगिक समानता के लक्ष्य की प्राप्ति क्षमता निर्माण का सबसे बेहतर रास्ता है। रा.म.आ.अपने सभी कार्यक्रमों में इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य कर रहा है।

श्रीमती मीता राजीवलोचन, भाप्रसे(IAS)
सदस्य सचिव

इस न्यूजलेटर में ....

गौरव के क्षण: हमारी अध्यक्ष महोदया को शुभकामनाएं

माह की प्रेरणा स्रोत: अवनि लेखरा

अध्यक्ष के कार्यकलाप

सदस्यों की गतिविधियाँ

रा.म.आ हेल्पलाइन: सफलता की कहानियाँ

रा.म.आ प्रकोष्ठों की अद्यतन जानकारी

गौरव के क्षणः हमारी अध्यक्ष महोदया को शुभकामनाएं

7 अगस्त, 2021 से अगले तीन वर्षों के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर आसीन रहेंगी श्रीमती रेखा शर्मा। अगस्त 2015 से वह सदस्या के रूप में आयोग से जुड़ी रहीं और स्थायी रूप से अध्यक्ष बनने से पूर्व 29 सितम्बर 2017 से अध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त कार्यभार का दायित्व संभाला। वे पुलिस कार्मिकों के लैंगिक संवेदीकरण की मुखर अधिवक्ता रहीं क्योंकि पुलिस कार्मिक ही सर्वप्रथम पीड़ितों के संपर्क में आते हैं। कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी के दौरान घरों में अकेले रह गए वृद्धजनों की सहायता के लिए 'हैप्पी टू हैल्प' कार्यदल की स्थापना में भी वे अग्रणी रहीं। महामारी के दौरान महिलाओं की शिकायतें दर्ज करने के लिए वॉटसेप नम्बर की शुरुआत एवं तनावग्रस्त महिलाओं के लिए 24*7 हेल्पलाइन नम्बर की शुरुआत की। वह एकमात्र अध्यक्ष हैं जो इतनी लम्बी अवधि के लिए अध्यक्ष पद का काम संभालेंगी। उनके जैसी नेता के निर्देशन में राष्ट्रीय महिला आयोग स्वयं को विशिष्ट समझता है और उनके नेतृत्व में अनगिनत उपलब्धियों की ओर अग्रसर है।

माह की प्रेरणा स्रोतः अवनि लेखरा
टोक्यो पैरालंपिक समापन समारोह में तिरंगा-ध्वज वाहिका

टोक्यो पैरालंपिक में दो पदक जीतने वाली अवनिलेखरा, पैरा-शूटिंग की सेंसेशन को समापन समारोह की राष्ट्रध्वज वाहिक के रूप में चुना गया। 30 अगस्त, 2021 को सभी की आंखें स्क्रीन पर थीं जब 20 वर्षीय पैरा-शूटर अवनिलेखरा ने पैरालंपिक में स्वर्ण-पदक जीतने वाली प्रथम महिला बन इतिहास रच दिया। पैरालंपिक में पहली बार प्रथम पदक जीतने वाली अवनि लेखरा ने हिम्मत से कहा कि "मैं चाहती हूँ कि लोग मुझे देखें और महसूस करें कि अगर अवनि ऐसा कर सकती है तो हम क्यों नहीं कर सकते! मेरा पदक किसी एक को भी प्रेरित कर पाया तो वही मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। अपनी दिव्यांगता के लिए किसी को भी दुखी नहीं रहना चाहिए। आप जो करना चाहते हैं वही कीजिए, कोई आपसे नहीं कह सकता कि यह काम आप नहीं कर सकते। आप को खुद पर यकीन होना चाहिए। कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं है, अपनी ओर से 100% प्रयास करेंगे तो जो चाहते हैं वह आपको मिलेगा। जीवन में आपको आघात मिले तो सबल प्रतिघात करें। यह टोक्यो पैरालंपिक सभी के लिए महत्वपूर्ण मोड़ बने। हम सभी को मिलकर एक मजबूत टीम बनानी होगी!"

19 वर्षीय लेखरा ने अपने अतुल्य प्रदर्शन से इतिहास रचा और दर्शकों को मुग्ध कर दिया। सोमवार, 30 अगस्त को, उन्होंने R-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH1 इवेंट में स्वर्ण पदक जीता, इसके बाद 3 सितंबर, 2021 को 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन SH1 इवेंट में कांस्य पदक जीता। वह वर्तमान में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में SH1 (वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स रैंकिंग) में वर्ल्ड नंबर 5 पर हैं। वह पैरालंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं। उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा सहायक वन संरक्षक (ACF) के रूप में आउट ऑफ टर्न नियुक्ति दी गई है। ग्यारह वर्ष की अवस्था में हुई कार दुर्घटना के कारण उनकी कमर का नीचे का हिस्सा पक्षाघात का शिकार हो गया। उनके पिता ने उसे खेल में शामिल होने, तीरंदाजी में प्रशिक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित किया, लेकिन उसे शूटिंग का जुनून था और वह इसी दिशा में आगे निकलना चाहती थी। फिलहाल वह राजस्थान, भारत में विधि-अध्ययन कर रही है। राष्ट्रीय महिला आयोग इस युवा महिला की शक्ति को सलाम करता है और उसकी भावी कामनाओं की पूर्ण सफलता के लिए शुभकामनाएं देता है।

अध्यक्ष के कार्यकलाप

अगस्त 13

माननीय अध्यक्ष ने 75 वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए दलित एवं आदिवासी संगठनों के राष्ट्रीय मंच द्वारा आयोजित Women@75 के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और सभा को संबोधित किया।

माननीय अध्यक्ष ने यंग लाइव्स इंडिया की रिपोर्ट "दूर के सपने और असंख्य वास्तविकताएं: आश्रय गृहों में किशोर गर्भवती लड़कियों और माताओं के जीवंत अनुभव" का प्रसारण किया और मुख्य अतिथि के रूप में वेबिनार की अध्यक्षता की ।

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रायोजित "महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा में परामर्श का लाभ" पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन सिक्किम राज्य महिला आयोग द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर आग्रह किया कि टीकाकरण में लैंगिक अंतर को दूर करने के उपाय किए जाएँ।

अगस्त 14

अध्यक्ष, श्रीमती रेखा शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के एक भाग के रूप में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित "नए भारत के निर्माण में महिला उद्यमियों की भूमिका" पर एक पैनल चर्चा में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।

अगस्त 15

75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कार्यालय परिसर में राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्यों और अधिकारियों के साथ भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

अगस्त 17

'सेल्फ अवेयरनेस, लाइफ स्किल्स एंड रिस्पॉन्सिबल सिटिजनशिप' पर उस्मानिया विश्वविद्यालय के सहयोग से कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स के शुभारंभ पर अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा ने 'लिंग संवेदीकरण' पर उद्घाटन भाषण दिया। पाठ्यक्रम की शुरुआत भारत में 'लिंग संवेदीकरण' पर श्रीमती रेखा शर्मा, माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग की ऑनलाइन वार्ता के साथ हुई, जिन्होंने पीआरआई और कानूनी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जमीनी स्तर पर लिंग संवेदीकरण और क्षमता निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला।

अगस्त 19

अध्यक्ष, श्रीमती रेखा शर्मा ने कैदियों के कल्याण हेतु किए जा रहे कार्यों के निरीक्षण हेतु देहरादून के नारी निकेतन का दौरा किया। पांच साल पहले उन्होंने उसी जगह का दौरा किया था। उस समय वह काफी खराब स्थिति में पाया गया था। खराब स्थिति के कारण राष्ट्र महिला आयोग ने कुछ सिफारिशें की थीं। वहाँ अधिकारियों ने सिफारिशों पर काम किया और अध्यक्ष सकारात्मक परिवर्तनों को देखकर प्रसन्न हुईं।

अगस्त 20

अध्यक्ष रेखा शर्मा ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के साथ उत्तराखंड की राज्यपाल माननीय बेबी रानी मौर्य से मुलाकात की और राज्य की महिलाओं के

मुद्दों पर चर्चा की। अध्यक्ष रेखा शर्मा ने उत्तराखंड राज्य महिला आयोग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

अगस्त 21

माननीय अध्यक्ष ने देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी के साथ मुलाकात की और राज्य की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार की पहल पर चर्चा की।

अगस्त 24

माननीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित ' अभित्यक्त अनिवासी भारतीय विवाहित महिलाओं में क्षमता निर्माण' कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए।

अगस्त 27 आंध्र प्रदेश राज्य महिला आयोग के सहयोग से आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग, फेसबुक और साइबर पीस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वी थिंक डिजिटल - डिजिटल शक्ति 3.0 कार्यक्रम के तहत "डेटा गोपनीयता और सोशल मीडिया सुरक्षा" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

अगस्त 31

पोषण 2.0, मिशन वात्सल्य और मिशन शक्तिः तीन मुख्य लक्ष्यों पर विचारार्थ महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा गुजरात के केवड़िया में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष, श्रीमती रेखा शर्मा ने राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया।

सदस्यों की गतिविधियाँ

माननीय सदस्य चंद्रमुखी देवी ने उत्तर प्रदेश की निजी फर्म और दिल्ली के सरकारी अस्पताल में प्रसूति लाभ न दिए जाने से संबंधित मामलों में उचित लाभ/राशि दिलवा कर शिकायतों को सफलतापूर्वक बंद करवा दिया।

उन्होंने बिहार के नालंदा और पटना, उत्तर प्रदेश के

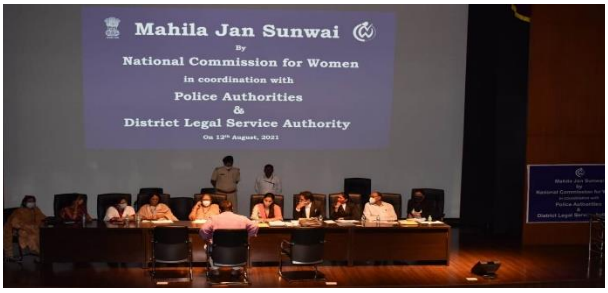

महाराजगंज, गोरखपुर और गौतमबुद्ध नगर तथा महाराष्ट्र के मुंबई जैसे स्थानों पर ऑनलाइन और व्यक्तिगत रूप से कई जन-सुनवाईयों को पूरा किया। अगस्त माह में, त्वरित समाधान और कार्रवाई रिपोर्ट हेतु कुल 223 मामलों पर कार्य किया गया।

माननीय सदस्या श्रीमती श्यामला एस. कुन्दर ने चेन्नई पुलिस द्वारा आयोग को कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत न किए जाने के कारण लंबित शिकायतों की जाँच के लिए 23.08.2021 से लेकर 25.08.2021 तक चेन्नई, तमिलनाडु का दौरा किया।

महिला शक्ति केंद्र की प्रोन्नति के लिए उन्होंने महिला शक्ति अभियान कार्यक्रम में भी भाग लिया। यह केंद्र उन ग्रामीण महिलाओं के लिए संपर्क बिंदु के रूप में काम करेगा, जो उनके अधिकारों के लिए सरकार से सहायता लेते हैं।

योजना का क्रियान्वयन राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। माननीय सदस्य ने तेलंगाना के माननीय राज्यपाल, पुदुचेरी के उपराज्यपाल और राज्य महिला आयोग के साथ चेन्नई, तमिलनाडु में एक सफल बैठक का आयोजन किया। एग्मोर, चेन्नई में उन्होंने महिला जन सुनवाई का आयोजन सफलतापूर्वक किया।

माननीय सदस्य डॉ. राजुल एल देसाई ने गुजरात के जामनगर, देवभूमिद्वारका, पोरबंदर, सोमनाथ और जूनागढ़ में वन स्टॉप सेंटर का दौरा किया, जहां उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर महिलाओं के अधिकारों और महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित अन्य मामलों पर चर्चा की। राज्य और संघीय नीतियों के कार्यान्वयन के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग की विशेष परियोजना पर भी चर्चा की गई। जिलों में महिला विकास योजनाओं के समग्र कार्यान्वयन के आकलन हेतु जिला मजिस्ट्रेट और जिला स्तर कर्मियों के साथ एक बैठक कलेक्टर के कार्यालय में आयोजित की गई।

उपर्युक्त जिलों में आयोजित 'नारी शक्ति समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने महिला आयोग, महिला कल्याण केंद्र और कई राज्य प्रायोजित महिला-उन्मुख कार्यक्रमों के निष्पादन के विषय में उपस्थित महिलाओं को अद्यतन जानकारियाँ दी।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उन क्षेत्रों में सुधार कर रही है जहां महिलाओं को प्रभावित करने वाले विभिन्न कानूनों में संशोधन और बदलाव की आवश्यकता है। इस वर्ष, घरेलू हिंसा अधिनियम, जो घरेलू हिंसा की विभिन्न कानूनी खामियों का समाधान करता है के लिए नए कानून तथा साथ-साथ महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करने के लिए महिलाओं से संबंधित नए कानूनों को विकसित करने की मांग की गई है। आयोग देश भर के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों में महिलाओं के कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को कानूनी जानकारी प्रदान करता है।

उन्होंने अमूल डेयरी प्रोडक्ट्स पार्लर का भी उद्घाटन किया, जो जूनागढ़ के सखी मंडल की जिला ग्रामीण विकास एजेंसी द्वारा संचालित है।

राष्ट्रीय महिला आयोग हेल्पलाइन: सफलता की कहानियां

हेल्पलाइन का उद्देश्य है कि एकल यूनिफॉर्म नंबर-7827170170 के माध्यम से हिंसा से प्रभावित महिलाओं को 24/7 ऑनलाइन सहायता प्रदान करने के लिए तुरंत पुलिस, अस्पताल, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण, मनोवैज्ञानिक सेवाओं आदि के प्राधिकृत अधिकारियों से इस संदर्भ में बातचीत कर शिकायतों का निपटान किया जाए और देश भर में महिलाओं से संबंधित सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की जाए। जुलाई 2021 में इसकी शुरुआत के बाद से हमें नियमित रूप से असंख्य शिकायतें मिल रही हैं।

1. उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक एसओएस(तुरंत सहायता के लिए) कॉल आई, जिसमें एक महिला द्वारा शिकायत की गई कि उसके परिवार के सदस्यों ने उसके साथ बलात्कार करने का प्रयास किया और पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया, इसके बाद हेल्पलाइन के कर्मचारियों ने तत्काल सुल्तानपुर, पुलिस अधीक्षक(एसपी) से संपर्क किया तो सूचना मिली कि उन्हें इस मामले की जानकारी है क्योंकि पिछले 24 घंटों से इस मामले पर बातचीत चल रही है और उन्होंने बताया कि बलात्कार का आरोप लगाने वाली महिला मानसिक बीमारी की मरीज है। कर्मचारियों ने मामले की जांच अधिकारी सुश्री मीरा से भी बात की और बताया कि महिला तब अपनी मां के साथ थाने में कैद थी और बलात्कार की कोई घटना नहीं हुई है। महिला अपने घर लौटने को लेकर आशंकित/भयभीत थी। इसके बाद हेल्पलाइन स्टाफ ने निरीक्षण अधिकारी (आईओ) से महिला को अन्य आश्रय में ले जाने का आग्रह किया क्योंकि उसे पूरी रात पुलिस स्टेशन में रखना अनैतिक है। रा.म.आ. हेल्पलाइन की सिफारिशों के परिणामस्वरूप, निरीक्षण अधिकारी(I.O) ने उसे एक महिला केंद्र में स्थानांतरित कर दिया, जहां वह अपनी मानसिक स्थिति के लिए उपचार प्राप्त कर रही है। निरीक्षण अधिकारी(I.O) ने इसका स्नैपशॉट, साथ ही अस्पताल का प्रवेश पत्र भी साझा किया। चूंकि पीड़िता आधी रात को एक मनोवैज्ञानिक विकार से पीड़ित हो गई थी, इसलिए उसका मामला सुश्री श्वेता शर्मा (क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट) के पास भेजा गया, उन्होंने उसकी काउंसलिंग की और उसे सही उपचार प्रदान करवाने के लिए सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश के जिला मजिस्ट्रेट और सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ समन्वय किया।

2. देर रात आयोग को रेवाड़ी, हरियाणा से एक एसओएस(तुरंत सहायता के लिए) कॉल प्राप्त हुई, जिसमें पति द्वारा घरेलू हिंसा और मारपीट का आरोप लगाया गया था; राष्ट्रीय महिला आयोग हेल्पलाइन पर फोन करते समय भी पीड़िता को उसके पति द्वारा पीटा जा रहा था; आयोग ने इस मामले में तुरंत पुलिस अधीक्षक, रेवाड़ी से संपर्क किया और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के साथ उनके आवास का पता लगाने के लिए संपर्क नंबर साझा किया क्योंकि पीड़िता अपना पता साझा नहीं कर पाई थी। पुलिस ने पीड़िता को ढूंढकर उसे पति से मुक्त कराया।

3. राजस्थान से एक व्यक्ति का फोन आने के बाद, जिसमें कहा गया था कि एक बुजुर्ग महिला है जिसके पास रहने के लिए जगह नहीं है और पूछा कि क्या आयोग मदद कर सकता है, रा.म.आ. हॉटलाइन के कर्मचारियों ने तुरंत पुलिस उपायुक्त(डीसीपी) जोधपुर जिला, राजस्थान से संपर्क किया। उक्त व्यक्ति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पुलिस उपायुक्त(डीसीपी) वेस्ट, जोधपुर ने बुजुर्ग महिला को आवश्यक सहायता प्रदान कर और उन्हें आश्रय-गृह में भिजवा कर आयोग के अनुरोध पर कार्यवाही की।

महिला कल्याण और क्षमता निर्माण प्रकोष्ठ

आयोग ने 15 जुलाई, 2021 से 31 अगस्त, 2021 तक MyGov पोर्टल के माध्यम से **'महिलाओं के खिलाफ अपराध पर जागरूकता'** पर एक खुली प्रश्नोत्तरी शुरू की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए आवश्यक समानता, समावेशिता और विविधता की शिक्षा देना है। इसके अलावा, युवा दिमाग के संतुलित विकास के लिए महिलाओं से संबंधित कानूनों का ज्ञान महत्वपूर्ण है; यह नागरिकों को सही मूल्यों, आत्मानुशासन और राष्ट्रीय भावना के निर्माण में भी मदद करेगा। प्रश्नोत्तरी के तहत कुल 53,370 प्रतिभागियों को दर्ज किया गया।

महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ

माननीय सदस्य डॉ. राजुलबेन एल. देसाई की अध्यक्षता में विशेष संवाददाता, सुश्री श्वेता शर्मा की दो सदस्यीय टीम ने 12 अगस्त 2021 को श्री दिगंबर जैन महिला आश्रम, दरियागंज, दिल्ली (निजी आश्रय गृह) का दौरा किया और महिलाओं के लिए सरकारी नीतियों के बारे में चर्चा करने और भावी सहयोग के लिए "इनर व्हील क्लब ऑफ दिल्ली मेन" के साथ बैठक की। कैदियों और उनके बच्चों के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम और परामर्श सत्र आयोजित किए गए। अधिक शौचालय बनाने की सिफारिश की गई ताकि मासिक धर्म के समय भी स्वच्छता बनी रहे। राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने उनके स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी भाग लिया।

विधिक प्रकोष्ठ

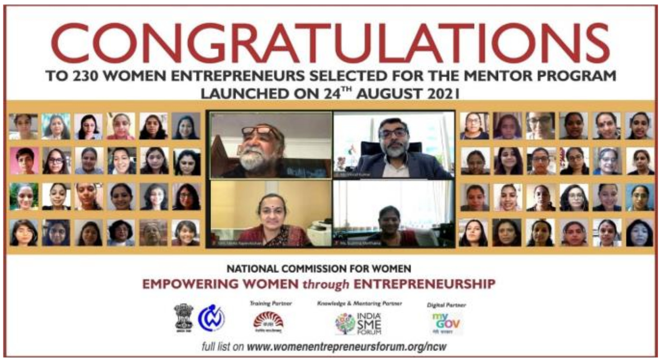

महिला सशक्तिकरण और विकास की दिशा में काम करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग ने इच्छुक महिला उद्यमियों को डिजिटल रूप से प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान(IIM), बैंगलोर के सहयोग से विशाल ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOC) के माध्यम से एक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो बैचों में आयोजित किया गया जिनमें भारतीय प्रबंधन संस्थान(IIM), बेंगलूर, प्रशिक्षण के लिए तथा आईएसएफ ज्ञानाधार के लिए हमारा सहभागी रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य संभावित और साथ ही स्थापित महिला उद्यमियों के ज्ञान में वृद्धि करना, उनके उद्यमों को आगे बढ़ाना और ऊँचाई की ओर ले जाना था। इस संबंध में, बैच 1 के प्रतिभागियों द्वारा पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, आईएसएफ ने चयनित 284 प्रतिभागियों के लिए 24 अगस्त, 2021 को अपना बैच 1 मेंटरिंग प्रोग्राम शुरू किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुश्री मीता राजीवलोचन- सदस्य सचिव, रा.म.आ, श्री प्रहलाद काकर- चेयरमैन, इंडिया एसएमई फोरम, श्री विनोद कुमार- प्रेसिडेंट,

इंडिया एसएमई फोरम और सुश्री सुषमा मोरथानिया- डीजी, इंडिया एसएमई फोरम की गरिमामयी उपस्थिति में की गई। बैच 1 के चयनित प्रतिभागियों के लिए पहला समूह परामर्श सत्र 27 अगस्त, 2021 को आयोजित किया गया। आईएसएफ (ISF) ने अगले बैच के लिए भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए महीने के दौरान कई गतिविधियाँ भी कीं। राष्ट्रीय महिला आयोग के उद्यमिता कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय प्रबंधन संस्थान(IIM), बेंगलूर ने दूसरे बैच के लिए छह सप्ताह के ऑनलाइन प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन किया। यह पाठ्यक्रम 21 जुलाई को शुरू होकर 31 अगस्त को समाप्त हुआ।